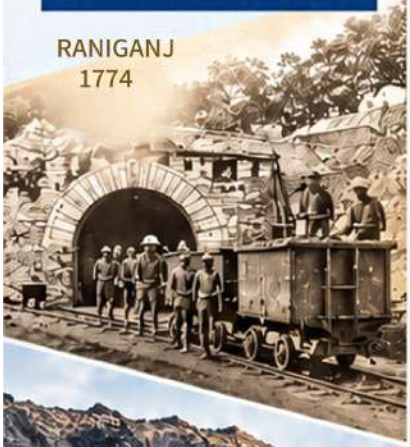
Eastern Coalfields Limited
(A Govt of India Enterprise, under Ministry of Coal)

52nd FOUNDATION DAY
NOVEMBER 1, 2026

CELEBRATING
OUR PEOPLE
OUR MINES
OUR LEGACY

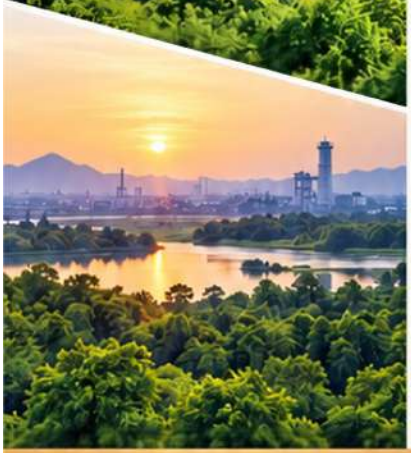


Dr. Satish Jha
Chairman-cum-Managing Director
Eastern Coalfields Limited









अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक का संदेश

प्रिय सहकर्मियों,

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) एवं कोल इंडिया लिमिटेड के 52वें स्थापना दिवस के इस गौरवपूर्ण अवसर पर मैं अपने सभी कर्मचारियों, उनके परिवारजनों, सेवानिवृत्त सहकर्मियों तथा समस्त सम्मानित हितधारकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि का उत्सव मनाते हुए ईसीएल को अपनी समृद्ध एवं गौरवशाली खनन विरासत पर अपार गर्व है। रानीगंज कोयला क्षेत्र, जहाँ वर्ष 1774 में भारत में कोयला खनन की यात्रा का शुभारंभ हुआ था, देश की कुछ सबसे पुरानी चालू कोयला खदानों का केंद्र है। 250 वर्षों से अधिक की यह गौरवशाली विरासत उन पीढ़ियों के खनिकों के साहस, धैर्य, अथक परिश्रम एवं समर्पण का प्रतीक है, जिन्होंने भारत की औद्योगिक प्रगति की नींव रखी।

इस गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए ईसीएल ने नए संकल्प एवं दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ विकास की अपनी यात्रा जारी रखी है। अप्रैल से अक्टूबर 2026 की अवधि के दौरान कंपनी ने लगभग 27 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया, जो लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसी अवधि में अधिभार हटाव (ओवरबर्डन रिमूवल) लगभग 112 मिलियन घन मीटर रहा, जिसमें 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि कोयला प्रेषण (ऑफटेक) 32 मिलियन टन तक पहुँच गया, जो 23 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है। विशेष रूप से, अक्टूबर माह में ही कोयला उत्पादन में 26 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि अत्यंत उत्साहजनक रही। ये उपलब्धियाँ परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ावा देने तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने में टीम ईसीएल के समर्पण, दृढ़ता एवं सामूहिक प्रयासों को प्रतिबिंबित करती हैं।

नवाचार, निवेश एवं आधुनिकीकरण के माध्यम से हमारा रूपांतरण निरंतर गति प्राप्त कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान ईसीएल ने ₹1,724 करोड़ का पूंजीगत व्यय अर्जित किया, जो निर्धारित वार्षिक लक्ष्य से अधिक है। करता वेस्ट में भूमिगत कोयला गैसीकरण (अंडरग्राउंड कोल गैसीफिकेशन) की अग्रणी परियोजना, यंत्रीकृत खनन का विस्तार, बंद पड़ी खदानों का पुनरुद्धार तथा आंतरिक भू-तकनीकी प्रयोगशाला की स्थापना भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप एक सक्षम एवं आधुनिक ईसीएल के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कोयले की गुणवत्ता के 90 प्रतिशत तक बेहतर ग्रेड सत्यापन, क्षेत्रीय कोयला परीक्षण प्रयोगशालाओं को एनएबीएल प्रत्यायन तथा डिजिटल प्रशासन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना भी उत्कृष्टता की दिशा में हमारे सतत प्रयासों को प्रदर्शित करता है।

परिचालन विकास के साथ-साथ सुरक्षा, कर्मचारी कल्याण, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक विकास हमारी प्राथमिकताओं के केंद्र में बने हुए हैं। वैज्ञानिक पद्धति से खदानों को बंद करने, पर्यावरणीय पुनर्स्थापन तथा बंद पड़ी खदानों के पुनः उपयोग की दिशा में हमारी पहल उत्तरदायी एवं सतत खनन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है।

हालाँकि, हमारी सबसे बड़ी शक्ति हमारे लोग हैं। प्रत्येक कर्मचारी एवं संविदा कर्मी ईसीएल की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देता है। मैं उनके समर्पण एवं प्रतिबद्धता की हृदय से सराहना करता हूँ। साथ ही, श्रमिक संघों, अधिकारी संघों, कोयला उपभोक्ताओं, व्यावसायिक सहयोगियों, भारतीय रेल तथा स्थानीय समुदायों के निरंतर सहयोग के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। मैं हमारे कोयला क्षेत्रों के माननीय जनप्रतिनिधियों, पश्चिम बंगाल एवं झारखंड की राज्य सरकारों, भारत सरकार के कोयला मंत्रालय तथा कोल इंडिया लिमिटेड के प्रति भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ, जिनके निरंतर सहयोग, मार्गदर्शन एवं समर्थन से हम अपने संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

भविष्य की ओर अग्रसर होते हुए हमें सदैव स्मरण रखना चाहिए कि हमारी विरासत हमारा गौरव है, हमारे लोग हमारी शक्ति हैं और हमारा कार्य-निष्पादन हमारे भविष्य की दिशा निर्धारित करेगा। सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता, सत्यनिष्ठा को मार्गदर्शक सिद्धांत तथा उत्कृष्टता को सामूहिक संकल्प बनाकर आइए, हम एक अधिक सशक्त, दक्ष एवं सतत ईसीएल का निर्माण करें, जो कोल इंडिया की विकास यात्रा तथा विकसित भारत @ 2047 के राष्ट्रीय संकल्प में महत्वपूर्ण योगदान दे।

आइए, हम सब मिलकर अपनी गौरवशाली विरासत का सम्मान करें और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें।

समस्त ईसीएल परिवार को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

(डॉ. सतीश झा)
अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक

SYNERGY | DIVERSITY | SUSTAINABILITY

Eastern Coalfields Limited
(A Govt of India Enterprise, under Ministry of Coal)

52nd FOUNDATION DAY
NOVEMBER 1, 2026

CELEBRATING
OUR PEOPLE
OUR MINES
OUR LEGACY



Dr. Satish Jha
Chairman-cum-Managing Director
Eastern Coalfields Limited



Message from the CMD

Dear Colleagues,

On the momentous occasion of the 52nd Foundation Day of Eastern Coalfields Limited and Coal India Limited, I extend my warm greetings and best wishes to our employees, their families, retired colleagues and all our valued stakeholders.

As we celebrate this milestone, ECL takes immense pride in its extraordinary mining heritage. The Raniganj Coalfield, where India's coal mining journey began in 1774, is home to some of the country's oldest operating coal mines. This legacy of over 250 years symbolises the courage, perseverance and dedication of generations of miners who laid the foundation of India's industrial progress.

Carrying forward this proud legacy, ECL continued its journey of growth with renewed determination. During the period April to October 2026, coal production reached around 27 million tonnes, registering a growth of about 12%, while overburden removal stood around 112 million cubic metres, up 19% and coal offtake touched 32 million tonnes, growing by over 23%. Particularly encouraging was the over 26% growth in coal production during the month of October alone. These achievements reflected the dedication, resilience and collective spirit of Team ECL in driving operational excellence and strengthening India's energy security.

Our transformation is gaining momentum through innovation, investment and modernisation. During financial year 2025-26, ECL achieved capital expenditure of Rs 1,724 crore, exceeding its annual target. The pioneering Underground Coal Gasification project at Kasta West, expansion of mechanised mining, revival of discontinued mines and establishment of an in-house Geo-Technical Laboratory reflect our commitment to a future-ready ECL. Improved coal grade confirmation of 90%, NABL accreditation of Area Coal Testing Laboratories and strengthened digital governance further demonstrate our pursuit of excellence.

Alongside operational growth, safety, employee welfare, environmental responsibility and community development remain central to our priorities. Our initiatives towards scientific mine closure, environmental restoration and repurposing of discontinued mines reinforce our commitment to responsible and sustainable mining.

Our greatest strength, however, remains our people. Every employee and contractual worker contributes meaningfully to ECL's progress. I sincerely appreciate their dedication and the continued cooperation of trade unions, officers' associations, coal consumers, business partners, Indian Railways and local communities. I also express my gratitude to the honourable people's representatives of our coalfield regions, the Governments of West Bengal and Jharkhand, the Ministry of Coal, Government of India and Coal India Limited for their continued support, guidance and cooperation in advancing our organisational goals.

As we move forward, let us remember that our legacy is our pride, our people are our strength and our performance will define our future. With safety as our foremost priority, integrity as our guiding principle and excellence as our shared ambition, let us build a stronger, more efficient and sustainable ECL, contributing to Coal India's growth and the vision of Viksit Bharat 2047.

Together, let us honour our legacy and shape a brighter future.

With best wishes to the entire ECL family.

(Dr. Satish Jha)
Chairman-cum-Managing Director

SYNERGY | DIVERSITY | SUSTAINABILITY

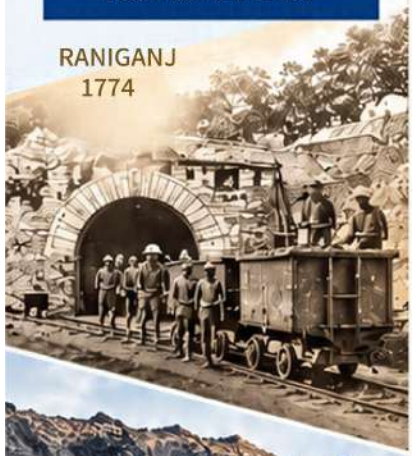
ECL
Eastern Coalfields Limited
(A Govt of India Enterprise, under Ministry of Coal)

52nd FOUNDATION DAY
NOVEMBER 1, 2026

CELEBRATING
OUR PEOPLE
OUR MINES
OUR LEGACY



Dr. Satish Jha
Chairman-cum-Managing Director
Eastern Coalfields Limited









অধ্যক্ষ তথা পরিচালন অধিকর্তার বার্তা

প্রিয় সহকর্মীবৃন্দ,

ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেড (ইসিএল) এবং কোল ইন্ডিয়া লিমিটেডের ৫২তম প্রতিষ্ঠা দিবসের এই গৌরবময় উপলক্ষে আমি আমাদের সকল কর্মচারী, তাঁদের পরিবারের সদস্যবৃন্দ, অবসরপ্রাপ্ত সহকর্মী এবং সকল সম্মানিত অংশীদারকে আন্তরিক অভিনন্দন ও শুভেচ্ছা জানাই।

এই ঐতিহাসিক সাফল্য উদ্‌যাপনের মুহূর্তে ইসিএল তার সমৃদ্ধ ও গৌরবময় খনন ঐতিহ্য নিয়ে অত্যন্ত গর্বিত। রানিগঞ্জ কয়লাক্ষেত্র, যেখানে ১৭৭৪ সালে ভারতে কয়লা খননের যাত্রা শুরু হয়েছিল, তা দেশের প্রাচীনতম চালু কয়লাখনিগুলির কয়েকটির কেন্দ্রস্থল। ২৫০ বছরেরও অধিক সময়ের এই গৌরবময় ঐতিহ্য সেই সকল প্রজন্মের খনিশ্রমিকদের সাহস, ধৈর্য, নিরলস পরিশ্রম ও নিষ্ঠার প্রতীক, যাঁরা ভারতের শিল্পোন্নয়নের ভিত্তি স্থাপন করেছিলেন।

এই গৌরবময় ঐতিহ্যকে এগিয়ে নিয়ে যাওয়ার লক্ষ্যে ইসিএল নতুন সংকল্প ও দৃঢ় অঙ্গীকারের সঙ্গে উন্নয়নের যাত্রা অব্যাহত রেখেছে। ২০২৬ সালের এপ্রিল থেকে অক্টোবর মাস পর্যন্ত সময়কালে সংস্থাটি প্রায় ২৭ মিলিয়ন টন কয়লা উৎপাদন করেছে, যা প্রায় ১২ শতাংশ বৃদ্ধির পরিচায়ক। একই সময়ে ওভারবার্ডেন অপসারণের পরিমাণ প্রায় ১১২ মিলিয়ন ঘনমিটারে পৌঁছেছে, যেখানে ১৯ শতাংশ বৃদ্ধি নথিভুক্ত হয়েছে। অন্যদিকে, কয়লা প্রেরণের পরিমাণ ৩২ মিলিয়ন টনে পৌঁছেছে, যা ২৩ শতাংশেরও বেশি বৃদ্ধিকে নির্দেশ করে। বিশেষভাবে উল্লেখযোগ্য যে, শুধুমাত্র অক্টোবর মাসেই কয়লা উৎপাদনে ২৬ শতাংশেরও বেশি বৃদ্ধি অত্যন্ত উৎসাহব্যঞ্জক। এই সাফল্যগুলি পরিচালনগত উৎকর্ষতা বৃদ্ধি এবং দেশের জ্বালানি নিরাপত্তাকে আরও সুদৃঢ় করার ক্ষেত্রে টিম ইসিএলের নিষ্ঠা, দৃঢ়তা ও সম্মিলিত প্রচেষ্টার প্রতিফলন।

উদ্ভাবন, বিনিয়োগ ও আধুনিকীকরণের মাধ্যমে আমাদের রূপান্তরের প্রক্রিয়া ক্রমাগত গতি লাভ করছে। ২০২৫-২৬ অর্থবর্ষে ইসিএল ১,৭২৪ কোটি টাকার মূলধনী ব্যয় করেছে, যা নির্ধারিত বার্ষিক লক্ষ্যমাত্রাকেও অতিক্রম করেছে। কান্তা ওয়েস্টে ভূগর্ভস্থ কয়লা গ্যাসীকরণের অগ্রণী প্রকল্প, যান্ত্রিক খনন ব্যবস্থার সম্প্রসারণ, বন্ধ হয়ে যাওয়া খনিগুলির পুনরুজ্জীবন এবং নিজস্ব ভূ-প্রযুক্তিগত পরীক্ষাগার স্থাপন—এই সমস্ত উদ্যোগ ভবিষ্যতের চাহিদার সঙ্গে সামঞ্জস্যপূর্ণ একটি সক্ষম ও আধুনিক ইসিএল গড়ে তোলার প্রতি আমাদের অঙ্গীকারকে প্রতিফলিত করে। কয়লার গুণমানের ক্ষেত্রে ৯০ শতাংশ পর্যন্ত উন্নত গ্রেড যাচাইকরণ, আঞ্চলিক কয়লা পরীক্ষাগারগুলির এনএবিএল (NABL) স্বীকৃতি অর্জন এবং ডিজিটাল প্রশাসন ব্যবস্থাকে আরও শক্তিশালী করে তোলাও উৎকর্ষ অর্জনের লক্ষ্যে আমাদের নিরন্তর প্রচেষ্টার পরিচায়ক।

পরিচালনগত উন্নয়নের পাশাপাশি নিরাপত্তা, কর্মচারী কল্যাণ, পরিবেশগত দায়বদ্ধতা এবং সামাজিক উন্নয়ন আমাদের অগ্রাধিকারের কেন্দ্রবিন্দুতে রয়েছে। বৈজ্ঞানিক পদ্ধতিতে খনি বন্ধ করা, পরিবেশের পুনরুদ্ধার এবং বন্ধ হয়ে যাওয়া খনিগুলির পুনর্ব্যবহারের লক্ষ্যে আমাদের উদ্যোগ দায়িত্বশীল ও টেকসই খননের প্রতি আমাদের অঙ্গীকারকে আরও সুদৃঢ় করে।

তবে, আমাদের সবচেয়ে বড় শক্তি হলেন আমাদের কর্মীবৃন্দ। প্রত্যেক কর্মচারী ও চুক্তিভিত্তিক কর্মী ইসিএলের অগ্রগতিতে গুরুত্বপূর্ণ অবদান রাখেন। তাঁদের নিষ্ঠা ও অঙ্গীকারের জন্য আমি আন্তরিকভাবে তাঁদের প্রশংসা করি। পাশাপাশি, শ্রমিক সংগঠন, আধিকারিক সংগঠন, কয়লা উপভোক্তা, ব্যবসায়িক সহযোগী, ভারতীয় রেল এবং স্থানীয় জনগোষ্ঠীর অব্যাহত সহযোগিতার জন্য তাঁদের প্রতি আন্তরিক কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করছি। আমি আমাদের কয়লাক্ষেত্রগুলির মাননীয় জনপ্রতিনিধিবৃন্দ, পশ্চিমবঙ্গ ও ঝাড়খণ্ড রাজ্য সরকার, ভারত সরকারের কয়লা মন্ত্রক এবং কোল ইন্ডিয়া লিমিটেডের প্রতিও কৃতজ্ঞতা জ্ঞাপন করছি। তাঁদের ধারাবাহিক সহযোগিতা, দিকনির্দেশনা ও সমর্থনের মাধ্যমে আমরা আমাদের সাংগঠনিক লক্ষ্য অর্জনের পথে এগিয়ে চলেছি।

ভবিষ্যতের পথে এগিয়ে চলার সময় আমাদের সর্বদা স্মরণ রাখতে হবে যে, আমাদের ঐতিহ্য আমাদের গৌরব, আমাদের কর্মীবৃন্দ আমাদের শক্তি এবং আমাদের কর্মদক্ষতাই আমাদের ভবিষ্যতের দিশা নির্ধারণ করবে। নিরাপত্তাকে সর্বোচ্চ অগ্রাধিকার, সততাকে পথপ্রদর্শক নীতি এবং উৎকর্ষতাকে সম্মিলিত সংকল্প হিসেবে গ্রহণ করে আসুন, আমরা আরও শক্তিশালী, দক্ষ ও টেকসই ইসিএল গড়ে তুলি, যা কোল ইন্ডিয়ার উন্নয়নযাত্রা এবং 'বিকশিত ভারত ২০৪৭' – এর রাষ্ট্রীয় সংকল্প বাস্তবায়নে গুরুত্বপূর্ণ অবদান রাখবে।

আসুন, আমরা সকলে সম্মিলিতভাবে আমাদের গৌরবময় ঐতিহ্যকে সম্মান জানাই এবং এক উজ্জ্বল ভবিষ্যৎ নির্মাণ করি।

ইসিএল পরিবারের সকল সদস্যকে প্রতিষ্ঠা দিবসের আন্তরিক শুভেচ্ছা ও অভিনন্দন।

(ডা. সতীশ ঝা)
অধ্যক্ষ তথা পরিচালন অধিকর্তা



SYNERGY | DIVERSITY | SUSTAINABILITY